नंद वंश :-

⇒ संस्थापक :- महापद्मनंद (344 BC - 322 BC)

⇒ पुराणों के अनुसार महापद्मनंद एक शुद्र शासक था, नंद वंश का सबसे शक्तिशाली शासक था

⇒ महाबोधि वंश में महापद्मनंद का नाम उग्रसेन मिलता है।

⇒ पुराणो में महापद्मनंद को सर्वक्षत्रान्तक (क्षत्रियो का नाश करने वाला) व परशुराम का अवतार

⇒ खारवेल के हाथीगुम्फा अभिलेख से पता चलता है, कि नंद राजा ने कलिंग को जीता;
तथा कलिंग जिनसेन की प्रतिमा को उठाकर लाया तथा कलिंग में नहर का निर्माण करवाय

⇒ अष्टाध्यायी के रचियता पाणिनी महापद्मनंद के मित्र थे।

→ जन्म :- गांधार के शालातूर में हुआ

② **धनानंद** :- यूनानी लेखकों ने धनानंद को अग्रमीज कहा था।

⇒ सिकन्दर का भारत पर आक्रमण धनानंद के समय हुआ।

⇒ नंद वंश के विनाश में आजीवक वंश की महत्वपूर्ण भूमिका थी

⇒ सिकन्दर :-

जन्म :- 356 BC

पिता :- फिलिप द्वितीय (मकदूनिया का शासक)

भारत पर विजय प्रस्थान :- 326 ईसा पूर्व

भारत से स्वदेश प्रस्थान :- 325 ईसा पूर्व

भारत में रहने की अवधि → (19 माह)

⇒ गुरू का नाम :- अरस्तू

⇒ सेनापति :- सेल्यूकस निकेटर

⇒ जल सेनापति :- निर्याकस

⇒ काबुल एवं सिन्ध के मध्य सिकंदरिया नामक नगर की स्थापना की थी।

⇒ सिकन्दर सिन्धु नदी व खैबर दर्रा को पार करके भारत पहुचा।

⇒ हाइडैस्पीज या वितस्ता का युद्ध :- पंजाब के राजा पोरस व सिकन्दर के बीच

→ विजयी

→ नदी :- झेलम नदी

↳ सिकन्दर की सेना ने नंद वंश के भय से व्यास नदी को पार करने से इंकार कर दिया

➢ भारतीय भू-भाग पर सिकन्दर की अन्तिम विजय पोरस क्षेत्र के विरुद्ध थी।

⇒ एरियन के अनुसार :- युद्धकला में भारतवासी अन्य जनो की तुलना में श्रेष्ठ थे।

⇒ प्लूटार्क के अनुसार :- यदि सिकन्दर का आक्रमण न होता तो यहाँ बड़े-बड़े नगर न बनते

⇒ मृत्यु :- 323 BC बेबीलोन में